Date :

DR. UDAY KUMAR
17.04.2020

HISTORY

B.A. - I - (SUB.)

UNIT - I.

1. Rise of Magadh Imperialism

मगध साम्राज्य का उदय

पृष्ठभूमि    कारण

बुद्धकालीन राजनीति की सबसे बड़ी विशेषता थी मगध साम्राज्य का उदय, 600 BC में मगध अन्य की भांति ही एक महाजनपद था। लेकिन जैसे जैसे समय बितता गया लगातार

SELCO Date :

250 वर्ष)। इसने अपने सभी राज्यों को जीत कर विजित कर लिया तथा एक बड़े साम्राज्य का निर्माण किया, इतिहास में इस घटना को मगध साम्राज्य का उदय कहा जाता है।

⇒ मगध साम्राज्य के उदय के कारण:-

मगध के उत्थान में मगध के शासकों के योगदान से लेकर सामाजिक, सामरिक आदि कारण महत्वपूर्ण थे।

→ शासकों का योगदान:

मगध पर कई शक्तिशाली वंश एवं शासकों का आगमन हुआ उनकी बेहतर कूटनीति और कार्यक्षमता के कारण मगध के विकास को बल मिला। अपने सैन्य बल एवं कूटनीति के आधार पर वह अपने साम्राज्य-सीमा का विस्तार किया।

Scanned with CamScanner

बुद्ध काल (600-321 B.C) तक मगध पर बैठने वाले अधिकारिक वंश इस।
(क) हर्यक वंश
(ख) शिशुनाग वंश
(ग) नंद वंश
(क) हर्यक वंश - बिंबिसार, अजातशत्रु तथा उदयन।

बिंबिसार को मगध साम्राज्य का वास्तविक शासक माना जाता है। उसने मगध साम्राज्य के विकास के लिए कई उपाय किया।

उसने सैनिक प्रसार को बल दिया तथा अंग महाजनपद को मगध में मिला लिया। उस ने वैवाहिक संबंध के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत की। कौशल, वज्जि संघ, मद्र क्षेत्र से वैवाहिक संबंध कायम किये, स्थाई सेना का निर्माण कर वह पूरे मगध का उत्कर्ष प्रदान किया।

Scanned with CamScanner

SELCO

Date : ____________

→ **अजात शत्रु :**

अजातशत्रु बिंबिसार का उत्तराधिकारी था उसने मगध साम्राज्य की परंपरा को आगे बढ़ाया, जैन मे इसका नाम कुणिक बताया गया है, सर्वप्रथम 16 वर्षों के निरंतर प्रयत्नों के पश्चात वज्जि संघ को जीतकर वह मगध में मिला लिया और फिर कौशल को मगध साम्राज्य में मिला लिया

⇒ **उदयिन**

उदयिन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य गंगा और सोन नदियों के संगम पर पाटलीपुत्र की स्थापना और अपनी राजधानी को वहाँ ले जाना था।

⇒ **शिशुनाग वंश :**

शिशुनाग शिशुनाग वंश का प्रथम शासक था, वह काफी महत्वाकांक्षी शासक था उसे एक

Scanned with CamScanner

शक्तिशाली महाजनपद अवंती के विरुद्ध सफलता प्राप्त हुई। वज्जियों के ऊपर नियंत्रण स्थापित करने के लिए उसने वैशाली को अपना राजधानी बनाया।

⇒ नंद वंश :-

– महापद्मानंद

नंद वंश का संस्थापक महापद्मानंद को थी. उसने मगध की सीमाओं का विस्तार कर के मगध साम्राज्य की स्थापना किया उसने निविधार करा डाले गये एक विशाल मगध साम्राज्य खड़ा किया।

नंद वंश का अंतिम शासक धनानंद था। उसके प्रमुख सेनापति भद्रसाल और प्रमुख मंत्री का कल्पक था। इसके मनमाने पूर्ण शासन ने जनता काफी त्रस्त थी। फलांतर में चाणक्य की सहायता से नंद वंश के का हटा कर चंद्र

SELCO

Date :

कुटल मौर्य ने मौर्य वंश की स्थापना की।

→ मगध के उत्थान के आर्थिक कारण :-

- मगध के पास राजस्व के बेहतर स्रोत थे। इस समय गंगा घाटी में होने वाले कृषि-क्रांति, व्यापार, वाणिज्य तथा नगरीकरण के कारण राज्य को काफी आय हुई जो सेना को रखने में मदद किया।
- मगध के पास छोटा नागपुर पठार की लोहे की खाने थे, जंगलों में उसे हाथी दाँत दाँत प्राप्त होता था जो सैन्य बल काफी मजबूत हुआ।

→ सामरिक कारण :-

Scanned with CamScanner

Date :

मगध की प्रारंभिक राजधानी पाँच पहाड़ियों से घिरा हुआ था। इस प्रकार पाटलीपुत्र चार नदियों (गंगा, गंडक, सोन, पुनपुन) के संगम पर होने के कारण जल दुर्ग के समान था। इसलिए इसकी राजधानी हमेशा सुरक्षित रही।

⇒ मगध के उदय के सामाजिक कारण:

मगध का समाज एक खुला समाज था यहाँ रूढ़िवादिता का विकास नहीं हो पाया था। इसने राज्य के विकास में मदद प्रदान की।

मगध के शासकों के योगदान से लेकर आर्थिक, सामाजिक आदि कारकों के चलते मगध साम्राज्यवाद का उदय हुआ। इसकी महत्ता इतनी बढ़ गई थी कि मगध के उत्थान को बुद्ध काल की

Scanned with CamScanner

SELCO

Date :

सर्वाधिक विशेषता कही जाती है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि 16 महाजनपदों में मगध के राजनीतिक, सामाजिक व भौगोलिक पहलुओं ने पूरे जनपद पर आधिपत्य प्राप्त करने में मदद प्रदान किया। और कि मगध सभी में एक सर्वशक्तिशाली जनपद के रूप में विख्यात हुआ।

Scanned with CamScanner